जीबीयू में राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ जस्टिस एंड गवर्नेंस की ओर से राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर न्यायाधीश विनय कुमार माथुर ने अपने वक्तव्य में कानूनी शिक्षा और पेशे की महत्वता को रेखांकित किया। जस्टिस संजीव खन्ना ने कानूनी कौशल की बारीकियों, विश्लेषण की क्षमता तथा स्वतंत्र न्यायपालिका की महत्वता पर अपनी बात रखी।

देश व समाज के लिए स्वतंत्र न्यायपालिका का बड़ा महत्व : संजीव खन्ना

ग्रेटर नेएडा। देश और समाज के लिए स्वतंत्र न्यायपालिका का होना बेहद जरूरी है। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में शनिवार को दो
की राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के दौरान उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश और मुख्य अतिथि न्यायाधीश संजीव खन्ना ने यह बात
कही। प्रतियोगिता के पहले दिन न्यायाधीश ने विद्यार्थियों को कानूनी बारीकियों व विश्लेषण की क्षमता के बारे में भी बताया। साथ ही
उन्होंने गौतम बुद्ध के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्व
और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। विशिष्ट अतिथि व इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवा निवृत्त न्यायाधीश विनय कुमार माथु
पीएन माथुर मेमोरियल की स्थापना और शुरुआत पर प्रकाश डाला। इसके अलावा उन्होंने कानूनी शिक्षा और कानूनी पेशे की महत्ता
रेखांकित किया। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न हिस्सों से आई 36 टीमें और लगभग 110 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। ब्यूरो

अमीषा, रुमेला और रुचिता ने जीती मूट कोर्ट प्रतियोगिता

ग्रेटर नोएडा। क्राइस्ट यूनिवर्सिटी की छात्रा अमीषा प्रियदर्शिनी , रूमेला बिश्वास और रुचिता श्रीवास्तव ने मूट कोर्ट प्रतियोगिता जीत ली है। वहीं चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पटना की अमीषा प्रकाश, अनुष्का गुप्ता और अंदलीब इमरोज रनरअप रहे। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) के स्कूल ऑफ लॉ जस्टिस एंड गवर्नेंस की ओर से चल रही दो दिवसीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। समापन समारोह के अतिथि व इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश विनय कुमार माथुर ने कहा की ऐसी प्रतियोगिता से छात्रों के कानूनी कौशल में बढ़ोतरी होती है। मुख्य अतिथि दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने कहा कि कोर्ट में अपना तर्क रखते हुए आवाज संयमित होनी चाहिए। प्रतियोगिता में 36 टीमें के 110 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया था। ब्यूरो

अमीषा, रुमेला और रुचिता ने जीती मूट कोर्ट प्रतियोगिता

ग्रेटर नोएडा। क्राइस्ट यूनिवर्सिटी की छात्रा अमीषा प्रियदर्शिनी , रूमेला बिश्वास और रुचिता श्रीवास्तव ने मूट कोर्ट प्रतियोगिता जीत ली है। वहीं चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पटना की अमीषा प्रकाश, अनुष्का गुप्ता और अंदलीब इमरोज रनरअप रहे। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) के स्कूल ऑफ लॉ जस्टिस एंड गवर्नेंस की ओर से चल रही दो दिवसीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। समापन समारोह के अतिथि व इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश विनय कुमार माथुर ने कहा की ऐसी प्रतियोगिता से छात्रों के कानूनी कौशल में बढ़ोतरी होती है। मुख्य अतिथि दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने कहा कि कोर्ट में अपना तर्क रखते हुए आवाज संयमित होनी चाहिए। प्रतियोगिता में 36 टीमें के 110 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया था। ब्यूरो

अमीषा, रूमेला और रुचिता ने जीती मूट कोर्ट प्रतियोगिता

ग्रेटर नोएडा। क्राइस्ट यूनिवर्सिटी की छात्रा अमीषा प्रियदर्शिनी , रूमेला बिश्वास और रुचिता श्रीवास्तव ने मूट कोर्ट प्रतियोगिता जीत ली है। वहीं चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पटना की अमीषा प्रकाश, अनुष्का गुप्ता और अंदलीब इमरोज रनरअप रहे। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) के स्कूल ऑफ लॉ जस्टिस एंड गवर्नेंस की ओर से चल रही दो दिवसीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। समापन समारोह के अतिथि व इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश विनय कुमार माथुर ने कहा की ऐसी प्रतियोगिता से छात्रों के कानूनी कौशल में बढ़ोतरी होती है। मुख्य अतिथि दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने कहा कि कोर्ट में अपना तर्क रखते हुए आवाज संयमित होनी चाहिए। प्रतियोगिता में 36 टीमें के 110 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया था। ब्यूरो

आयोजन | जीबीयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का समापन

कानून में कभी भी अपना तर्क रखते हुए आवाज असंयमित नहीं होनी चाहिए : ओहरी

ग्रेटर नोएडा, 3 अप्रैल (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ जस्टिस एंड गवर्नेंस द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के दूसरे दिन फाइनल राउंड के बाद समापन सत्र सम्पन्न हुआ। स्कूल के अधिष्ठाता डॉ. के.के. द्विवेदी सभी आमंत्रित विद्वतजनों का स्वागत किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अतिथि जस्टिस विनय कुमार माथुर, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने वक्तव्य में वर्तमान में कानून की शिक्षा में मूट कोर्ट प्रतिगोगिताओं के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता छात्रों के कानूनी कौशल में वृद्धि करता है तथा उन्हें बारीकी से तर्क वितर्क करने की कला में निपुण बनाता है और इस प्रतियोगिता में जीतने या हारने से ज्यादा महत्व भागीदारी का होता है। इसके उपरांत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जस्टिस मनोज कुमार ओहरी, न्यायमूर्ति, दिल्ली हाई कोर्ट छात्र-छात्राओं के सक्रिय भागीदारी से अत्यंत प्रभावित हुए तथा उन्होंने अपने समापन भाषण में कहा कि कानून में कभी भी अपना तर्क रखते हुए आवाज असंयमित नहीं होनी चाहिए और उन्होंने अपनी बात को कायम रखते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता से जो भी अनुभव विद्यार्थी सीखते हैं वह आगे उनके पेशे में सार्थक सिद्ध होता है तथा उन्होंने मूट कोर्ट को मुकदमेबाजी की और ले जाने वाली खुली खिड़की बताया।

स्कूल की सहायक शिक्षक डॉ.

- **प्रतिभागी विद्यार्थियों को किया गया पुरस्कृत**
- **प्रतियोगिता में 36 टीमें और लगभग 110 छात्र छात्राओं ने लिया हिस्सा**

रमा शर्मा ने प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा की और संयोजक डॉ. पूनम वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस प्रतियोगिता के विजेता रहे अमीषा प्रियदर्शिनी, मिस रूमेला बिश्वास और रुचिता श्रीवास्तव (क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, दिल्ली, एन सी आर रनरअप रहे। मिस अमीषा प्रकाश, मिस अनुष्का गुप्ता तथा अंदलीब इमरोज (चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना)। कार्यक्रम में बेस्ट मूटर मिस भाविनी कौशल्या (सरदार पटेल सुभारती इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ, स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ) रहीं तथा बेस्ट मेमोरियल मिस अनिषा रॉय, मिस स्नेहा सुधाकर तथा निखिल अरोरा (सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया) रहे। बेस्ट रिसर्चर रहे हर्षवर्धन सी रावंदाले (सिम्बायोसिस लॉ स्कूल नॉएडा)।

इस मूट कोर्ट प्रतोयोगिता के मुख्य संरक्षक, कुलपति प्रो .रविन्द्र कुमार सिन्हा, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय हैं। तथा इस कार्यक्रम के संयोजक स्कूल के सहायक शिक्षक डॉ. संतोष कुमार तिवारी, डॉ. पूनम वर्मा, गौरव यादव तथा गरिमा मठपाल मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में देश के कोने कोने से 36 टीमें और लगभग 110 छात्र छात्राओं ने भागीदारी लिया।

मूट कोर्ट प्रतियोगिता का हुआ समापन

जासं, ग्रेटर नोएडा: गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में स्कूल आफ ला जस्टिस एंड गवर्नेंस द्वारा आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का समापन हो गया। विजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व न्यायाधीश विनय कुमार माथुर थे। उन्होंने वर्तमान में कानून की शिक्षा में मूट कोर्ट प्रतियोगिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता से छात्रों के कानूनी कौशल में वृद्धि होती है। छात्र तर्क वितर्क करने की कला में निपुण बनते हैं।

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में स्कूल आफ ला जस्टिस एंड गवर्नेंस द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता की विजेता टीम को सम्मानित करते आयोजक मंडल के सदस्य ● सौ. विवि

दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश मनोज कुमार ओहरी ने कहा कि कानून में कभी भी अपना तर्क रखते हुए आवाज असंयमित नहीं होनी चाहिए। इस प्रतियोगिता से जो भी अनुभव विद्यार्थी सीखते हैं वह आगे उनके पेशे में सार्थक सिद्ध होता है। प्रतियोगिता में विभिन्न कालेजों व विवि की 36 टीमों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता में अमीषा प्रियदर्शिनी, रूमेला बिस्वास और रुचिता श्रीवास्तव विजेता रहीं। बेस्ट मूटर मिस भाविनी कौशल्या तथा बेस्ट मेमोरियल मिस अनिषा राय रहीं। इस अवसर पर विवि के कुलपति प्रो. रविंद्र कुमार सिन्हा, डा. संतोष कुमार तिवारी, डा. पूनम वर्मा, गौरव यादव, गरिमा सहित अन्य लोग मौजूद थे।